# कुमार जीवन - 69

**अव्यक्त बापदादा :-**

➳ _ ➳ सबसे ज्यादा खुशी किसको रहती है? सदा समान रहती है कि कभी कम, कभी ज्यादा रहती है? कुमारों को माया नहीं आती है? चाहे कुमार हैं, चाहे अधर कुमार हैं लेकिन अभी ब्रह्माकुमार हैं। अधर कुमार भी कुमार हैं, अधर कुमारी भी ब्रह्माकुमारी है। कुमारी जीवन या कुमार जीवन बहुत श्रेष्ठ जीवन है लेकिन ब्रह्माकुमार हैं तो। तो **जो सदा खुश रहते हैं वो ब्रह्माकुमार हैं।** दुनिया वाले तो सोचते रह जाते हैं और आप सदा सम्पन्न बन गये। वो सोचते रहते हैं पता नहीं क्या होगा, कब होगा और आप क्या कहते हो? **जो होना था वो हो रहा है, जो पाना था वो पा लिया है**, चैलेन्ज करते हो ना।

➳ _ ➳ पाण्डवों को अपना नशा है, अपनी खुशी है। पाण्डव सदा बाप के साथी दिखाते हैं। **पाण्डवों ने कभी साथ नहीं छोड़ा, अन्त तक साथ निभाया।** वही पाण्डव हो ना। **पाण्डव दिल से गाते हैं कि हमारा साथी सदा भगवान् है।** सदा साथ रहने वाले हैं। सदा साथ निभाने वाले हैं। ऐसे पाण्डव हो ना? सदा साथ रहने वाली वरदानी आत्मायें हैं। जब वरदाता साथ है तो वरदान भी साथ है ना। वरदानों से सदा झोली भरी हुई है। **वरदान भरते-भरते इतने वरदानी बनते हो जो अनेक जन्म अनेक आत्माओं को वरदानी स्वरूप में दिखाई देते हो। आपके जड़ चित्रों से वरदान लेने आते हैं ना।** ऐसे वरदानी आत्मायें बन गये। कभी वरदानों से अलग हो ही नहीं सकते। सदा भरपूर हैं। अच्छा! (पार्टियों के साथ) **(18-11-93)**

➳ _ ➳ कुमारों से:- कुमार क्या करेंगे? कुमार सदा ही विश्व में कोई न कोई परिवर्तन के लिये एवररेडी रहते हैं। कोई भी क्रान्ति के निमित्त कुमार बनते हैं। तो ये है **शान्ति की क्रान्ति**। तो सभी कुमार सदा यह याद रखो कि **हमारा हर कर्म परिवर्तन करने के निमित्त है।** तो कुमार अर्थात् विश्व परिवर्तक। ऐसे है ना? सिर्फ तालियाँ तो नहीं बजा रहे हो। अच्छे-अच्छे कुमार हैं।

➳ _ ➳ देखो, बापदादा सदा कहते हैं कि सेवाकेन्द्र सेवा में आगे नम्बर पर जायें, उसके लिए कुमार भी जरूर चाहिये। जहाँ कुमार नहीं होंगे वहाँ सेवा के प्लैन कम बनेंगे। तो ऐसे निर्विघ्न सेवाधारी कुमार। **खिटखिट करने वाले नहीं बनना।** निर्विघ्न सेवाधारी कुमार। **कुमार ही सेवा की शोभा हैं** इसीलिये बापदादा को कुमार प्यारे लगते हैं। अच्छा है।

➳ _ ➳ इस वर्ष तो सभी को निर्विघ्न होना ही है, आपके पास कोई विघ्नों के पत्र नहीं आयेंगे–ये हो गया, ये हो गया.....। कुमारों को माया भी बहुत प्यार करती है। माया भी समझती है मेरा बनें, इसीलिये डबल अटेन्शन। माया के नहीं बनना। **(31-03-1995)**

➳ _ ➳ कुमार:- कुमार भी पवित्र देव हैं। ऐसे नहीं, ये तो पवित्र देवियाँ हो गई! **कुमार भी पवित्र देव हैं। किसी भी तरफ, अपवित्र दृष्टि की बात तो छोड़ो लेकिन स्वप्न मात्र भी अपवित्र वृत्ति नहीं जा सकती।** कुमार हाथ उठाओ। कुमार भी बहुत हैं। तो कुमार कौन हो? पवित्र देव। देव आत्मा हूँ। मैं फलाना हूँ, नहीं। **देव आत्मा हूँ, पवित्र आत्मा हूँ।** **(06-04-1995)**

➳ _ ➳ कुमार:- कुमार हाथ उठाओ। कुमार तो बहुत हैं। तो कुमार क्या विशेषता दिखायेंगे? कुमार ऐसे अपने को तैयार करो - चाहे अपने-अपने स्थान पर हो लेकिन जहाँ भी हो वहाँ अपने को ऐसा तैयार करो जो आपका 400-500 का ग्रुप बना करके गवर्नमेन्ट के इन बड़े लोगों से मिलायें कि देखो कि ये इतने यूथ विश्व की सेवा के लिए या भारत की सेवा के लिए डिस्ट्रक्शन का काम न कर, कन्स्ट्रक्शन का काम कर रहे हैं। तो ऐसा ग्रुप बनाओ। तो कितने टाइम में अपने को तैयार करेंगे? क्योंकि गवर्नमेन्ट यूथ को आगे रखना चाहती है लेकिन उनको ऐसे यूथ मिलते नहीं हैं और बाप के पास तो हैं ना! तो **ऑलमाइटी गवर्नमेन्ट इस हलचल वाली गवर्नमेन्ट के आगे एक प्रैक्टिकल मिसाल दिखा सकती है।**

➳ _ ➳ लेकिन कच्चे नहीं होने चाहिए। **ऐसा नहीं, आप कहो हम तो बहुत अच्छे चलते हैं और आपके साथी जो हैं वो रिपोर्ट करें कि नहीं, ये तो ऐसे ही कहता है।** ऐसे नहीं। पवित्रता के लिए बिगड़ते हैं वो बात अलग है **लेकिन दिव्यगुणों की धारणा में आपका प्रभाव घर वालों के ऊपर पड़ना चाहिए।** समझा? तो जो समझते हैं हम डायमण्ड जुबली तक तैयार हो जायेंगे वो हाथ उठाओ। अभी थोड़े कम हो गये। अच्छा, टीचर्स रिपोर्ट देना इस डायमण्ड जुबली के बीच में, एण्ड में नहीं। गवर्नमेन्ट को यूथ दिखायें। अभी तो 8 मास हैं। तो आठ मास ठीक है। **(16-11-95)**

➳ _ ➳ कुमारों से:- कुमार दादा तो नहीं बनेंगे, दादा तो कोई नहीं कहेगा लेकिन राजा बन सकते हैं। डायमण्ड जुबली में कुमार कम से कम आठ मोतियों का एक-एक कंगन वा माला तैयार करो। अष्ट का गायन है ना। तो आपकी प्रजा बन जायेगी और प्रजा बनाने से आप राजा बन जायेंगे। कुमारियों को दादी-दीदियाँ बनने दो। आप और ही राजा बन जाओ। कुमार तो बहुत हैं, अगर एक-एक आठ भी लावे तो प्रजा बन जायेगी। और **प्रजा तैयार हो गई तो आपको राजतिलक जरूर मिलेगा।** क्योंकि बहुत करके अभी वारिस क्वालिटी कम निकलती है। **अगर कुमारों ने एक भी वारिस क्वालिटी निकाल दी तो महाराजा बन जायेंगे।** कुमार तैयार हैं? समझते हो वारिस किसको कहते हैं? साधारण तो आते ही रहते हैं ना लेकिन **वारिस जो होगा उस एक को देख करके और अनेक भी आयेंगे।** उसको कहते हैं वारिस क्वालिटी, छोटे-छोटे माइक। तो कुमार राजा बनेंगे ना! (हाँ जी) अच्छा, यहाँ मधुबन में हाँ जी है या पंजाब और बाम्बे या जहाँ भी जायेंगे वहाँ भी हाँ जी होंगे?

➳ _ ➳ कुमारों को देख करके बापदादा खुश होते हैं। सिर्फ कुमार, कुमारियों से बाप को एक बात का डर भी लगता है। खुशी भी होती है तो डर भी लगता है। समझदार हो ना कुमार, बोलने की आवश्यकता नहीं। बस इसमें **सदा एक बाप दूसरा न कोई**, थोड़ा-थोड़ा भी नहीं। क्या करुँ.. थोड़ा सा तो चाहिए...ऐसा नहीं। ये ऐसी माया है जो देखा है ना, **गज और ग्राह की कहानी सुनी है ना, वो क्या करता है? पहले थोड़ा अन्दर करेगा, फिर पूरा अन्दर कर लेता है। पता नहीं पड़ेगा।** तो डायमण्ड जुबली में यह डर तो निकाल लेना। ऐसा एक भी पत्र नहीं आना चाहिए। डायमण्ड जुबली अर्थात् कुछ कमी नहीं है। तो बापदादा देखेंगे कि हाथ तो सभी ने उठाया लेकिन राजा कितने बने वो भी लिस्ट आ जायेगी ना! अच्छा। **(25-11-1995)**

---

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ जो सदा खुश रहते हैं

→ वही सच्चा ब्रह्माकुमार है

➳ _ ➳ 2 बातें सदा स्मृति में रखो

→ जो होना था

- वही हो रहा है

→ जो पाना था

- वो पा लिया

➳ _ ➳ अपने वरदानी स्वरुप में सदा स्थित रहे

→ आपके जड़ चित्रों से भी आत्माओं को वरदान मिलते हैं

➳ _ ➳ सदैव इस स्वमान में स्थित रहो

→ मैं शांति की क्रान्ति की निमित आत्मा हूँ

→ मैं पवित्र आत्मा हूँ

→ मैं देव आत्मा हूँ

➳ _ ➳ आपके दिव्य गुणों की धारणा का प्रभाव

→ सबस पहले आपके लोकिक परिवार पर पड़ना चाहिए

➳ _ ➳ अशरीरी बनने से

→ कर्मेन्द्रियाँ सदैव अपने आप ही वश में हो जाती हैं

- बहित सहज रीति से हम स्वराज्य अधिकारी अवस्था का अनुभव करने लगते हैं